Rajasthan State Mines & Minerals Ltd.

(A Government of Rajasthan Enterprise)
SBU & PC Rock Phosphate Jhamarkotra Mines
Central Laboratory (ISO 9001:2015 Certified)

NIT No. RSMML/Phos/Lab/Jkt/SG/01/2021-22 Date: -29/06/2021

निविदा सूचना

उपरोक्त प्रपत्र राज्य सरकार के पोर्टल या कम्पनी की वेब साईट (www.rsmm.com) से भी Download कर प्राप्त कि जा सकती है ।

कार्य का विवरण		धरोहर राशि (EMD)	कार्य अवधि
कम्पनी की झामरकोटड़ा प्रयोगशाला में विभिन्न विभागों से प्राप्त रॉक फॉस्फेट के नमुनों को कूटकर –100 मैश का पाउडर बनाने के लिए ठेकेदार से बंद लिफाफे में मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।		8000/–	2 वर्ष
निविदा शुल्क 590/–			
निविदा प्रपत्र विक्रय व प्रस्तुत करने की तिथि एवं स्थान	निविदा डाउनलोड करने की तिथि दिनांक 29/06/2021 से 28/07/2021 दोपहर 1 बजे तक। निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 28/07/2021 को अपरान्ह 3 बजे तक। स्थान– उप महा प्रबंधक लेखा मार्केटिंग विभाग, कोर्पोरेट कार्यालय, उदयपुर।		
निविदा खोलने की तिथि एवं स्थान	दिनांक 28/07/2021 अपरान्ह 3:30 बजे स्थान– उप महा प्रबंधक लेखा मार्केटिंग विभाग, कोर्पोरेट कार्यालय, उदयपुर।		
विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य शर्तें www.rsmm.comसे भी Download कर प्राप्त कि जा सकती है ।			

कार्यविवरण :–

1 प्रति नमुना आधा किलोग्राम अथवा उससे अधिक व आधा इन्च साईज़ की गिट्टी का होगा। नमूना सुखाकर विद्युत चलित पल्वराईजर मशीन से पीसकर अथवा हमाम दस्ते में कूटकर **(-)**100 मेश का पाउडर बनाना।

2 निविदा प्रपत्र के साथ राजस्थान स्टेट माईंस एण्ड मिनरल्स लिमिटेड के नाम से देय रुपया 8000/–आठ हजार रुपये मात्र धरोहर राशि **(EMD)** और 590/– पाँच सौ नब्बे रुपये/– निविदा शुल्क (Tender document fee) का पे आर्डर या बैंक ड्राफ्ट साथ में संलग्न करना अनिवार्य होगा अथवा धरोहर राशि के लिए 50 रूपये का जुडिशियल स्टाम्प पेपर आर.एस.एम.एम.एल. के नाम पर संलग्न प्रपत्र (Annexure-A) भरकर संलग्न करें। अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

3 निविदाकर्ता द्वारा स्थान एवं परिसर आदि का निविदा प्रपत्र भरने से पूर्व स्वयं को पूर्ण रुप से आश्वस्त कर लेना चाहिये तथा इस सबंध में यदि कोई जानकारी चाहिये तो प्रबन्धक, केन्द्रिय प्रयोगशाला ,झामरकोटड़ा माईन्स से प्राप्त कर सकते है ।

प्रबन्धक (प्रयोगशाला)

Rajasthan State Mines & Minerals Ltd.

(A Government of Rajasthan Enterprise)

SBU & PC Rock Phosphate Jhamarkotra Mines

Central Laboratory (ISO 9001:2015 Certified)

NIT No. RSMML/Phos/Lab/Jkt/SG/01/21-22/ Date 29/06/2021

निविदा प्रपत्र

कार्य विवरण – कम्पनी की केन्द्रीय प्रयोगशाला में रासायनिक विश्लेषण के लिए प्राप्त रॉक फास्फेट के करीब आधा किलोग्राम वजन व आधा इन्च साईज़ की गिट्टी के नमूनों को सुखाकर विद्युत चलित पल्वराईजर मशीन से पीसकर अथवा हमाम दस्ते में कूटकर (-) 100 मेश का पाउडर तैयार करने हेतु निविदा।

1. निविदा देने वाले का नाम...
2. फोन न. यदि हो तो..
3. निविदा देने वाले का स्थाई पता...
   ....
4. धरोहर राशि (**EMD**) का बैंक डी.डी. न./पे आर्डर न...दिनांक.....
   ....राशि..
5. मैनें निविदा सूचना न...........................दिनांक............................में दी गई शर्तों एवं निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न शर्तों की स्वीकृति प्रमाण स्वरूप प्रपत्र के सभी पृश्ठों पर हस्ताक्षर कर दिये हैं।
6. रॉक फास्फेट के नमूने को रासायनिक विश्लेषण के लिए पल्वराईजर मशीन/ हमाम दस्ता में ;.द्ब 100 मेश का पाउडर तैयार करने हेतु प्रति नमुना दर (अंकों में) रुपया.....................पैसा................एवं (शब्दों में) रुपया.....................पैसा............................है ।
7. किसी भी कारण से (मशीन खराब होने / पॉवर नहीं होने सेद्ब रॉक फास्फेट के नमूने को हमाम दस्ता में कुटकर तैयार करने पड़ सकते है, जिसका अतिरिक्त भूगतान नही किया जावेगा ।

स्थानः–..   हस्ताक्षर निविदादाता

दिनांकः–.......................................

निविदा की शर्ते

1. निविदा प्रपत्र में निविदादाता को परीक्षण नमुना तैयार करने के लिए प्रति नमुना कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराई गई मशीन से पीसने की दर और हमाम दस्ते में कूटकर (-) 100 मेश का पाउडर तैयार करने की दर लिफाफे में बंद कर के देना होगा।
2. नमुने की दर अंको व भाब्दों दोनों में स्पष्ट रूप से भरनी होगी। कॉट–छॉट की स्थिति में अपने लधु हस्ताक्षर आवश्यक होंगे।
3. कार्य करने का समय प्रातः 7–00 से सायं 7–00 बजे तक होगा एवं माह के सभी कार्य दिवस आपको उपस्थित रहना आवश्यक होगा।
4. प्रतिदिन जिस समय आपको नमुना तैयार करने के लिए दिया जाए वह आपको तुरंत तैयार करके देना होगा।
5. कार्यस्थल से अनुपस्थित रहने पर प्रतिदिन रू. 700/– का जुर्माना वहन करना होगा तथा कार्य को अधूरा छोड़ कर जाने पर 50/– रू. प्रति नमुना जुर्माना लगेगा जिसकी कटौती बिल भुगतान से की जाएगी।
6. नमुना कुटने के लिए हमाम दस्ता, छानने के लिए (-) 100 मेश की छलनी इत्यादि इस खदान की प्रयोगशाला से प्रदान की जाएगी। जो कि ठेका अवधि की समाप्ति पर आपको पुनः कम्पनी के सक्षम अधिकारी को लौटानी होगी।
7. विद्युत चलित पल्वराईजर मशीन को चलाने के लिए विद्युत खर्च कम्पनी द्वारा वहन किया जाएगा एवं नमुना पीसने की वजह से मशीन की मोटर जलने अथवा मशीन की प्लेट्स घिस जाने की अवस्था में इन्हें कम्पनी द्वारा दुरुस्त किया जाएगा।
8. किसी भी परिस्थिति में यह कार्य आपको स्वयं ही करना होगा। अनाधिकृत रूप से आप यह ठेका किसी अन्य व्यक्ति को हस्तान्तरित नहीं कर सकेंगे।
9. किन्हीं अपरिहार्य कारणवश नियमित व्यक्ति की अनुपस्थिती में यह कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ दिन के लिए सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति से किसी अन्य कुशल व्यक्ति से यह कार्य करवा सकते हैं।
10. परीक्षण नमुने की मात्रा में पीसने से पहले के वजन तथा पीसने के बाद के वजन का 6 प्रतिशत से अधिक अंतर नहीं होना चाहिए।
11. निविदा प्रपत्र के साथ राजस्थान स्टेट माईंस एण्ड मिनरल्स लिमिटेड के नाम से देय रुपया 8000/–आठ हजार रुपये मात्र धरोहर राशि (**EMD**) पे आर्डर या बैंक ड्राफ्ट साथ में संलग्न करना अनिवार्य होगा अथवा धरोहर राशि के लिए 50 रूपये का ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर आर. एस.एम.एम.एल. के नाम पर संलग्न प्रपत्र(Annexure-A)भरकर संलग्न करें। अन्यथा निविदा पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
12. निविदादाता द्वारा जमा कराई गई उपरोक्त राशि(**EMD**) पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। सफल निविदादाता के LOA@ DLOA जारी करने के बाद अन्य को लौटा दी जाएगी।

13. निम्नलिखित कारणों/दशाओं में धरोहर राशि को जब्त कर लिया जाएगा।

(अ) अगर निर्धारित समयावधि में निविदादाता द्वारा अमानत राशि जमा नहीं कराई जाती है।

(ब) अगर निर्धारित समयावधि में निविदादाता द्वारा प्रारूप में एग्रीमेंट नहीं किया गया है।

(स) अगर निर्धारित समयावधि में कार्य शुरु नहीं किया है या कम्पनी द्वारा दिये गए ऑफर को स्वीकार नहीं किया गया है अथवा ऑफर को स्वीकार करने के पश्चात् कार्य शुरु नहीं किया गया है।

14. निविदा की वैधताः– निविदादाता द्वारा प्रस्तुत निविदा की अवधि 180 दिन के लिए मान्य होगी। इस वैधता अवधि या बढाई गई वैधता अवधि में कोई भी परिवर्तन या संशोधन या निरस्तीकरण निविदा में नहीं किया जा सकेगा। लेकिन निविदादाता ऐसा करता है, तो ऐसे निविदादाता की धरोहर राशि को जब्त कर लिया जाएगा।

15. सामान्यतया ठेका अवधी दो वर्ष की होगी, जो कार्यादेश मिलने के पश्चात कार्य प्रारम्भ करने की तिथि से मानी जाएगी।

16. जिस व्यक्ति के नाम निविदा स्वीकृत की जाएगी उसे कार्यादेश के एक माह की अवधि में रुपया 500/–(अक्षरे पांच सौ रुपया मात्र) मूल्य के नॉन ज्यूडिशियल स्टांप पर एग्रीमेंट करना होगा।

17. कुल ठेका राशि की 3 प्रतिशत अमानत राशि अर्थात् 12000/–(S.D./BG)के रूप में जमा करानी होगी तथा उस पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। ठळ आर.एस.एम.एम.एल. के प्रमाणित (Approved) प्रारूप में हो एवं 200 रुपया ठळ राशि की 0.25 के नॉन ज्यूडिशियल स्टांप पर देना होगा।

18. कार्य संतोषजनक नहीं होने पर कम्पनी को राशि (S.D.)जब्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। कम्पनी की जो भी हानि होगी उसके लिए ठेकेदार स्वयं उत्तरदायी होगा। उपरोक्त हानि की भरपाई उसके बाकियात बिलों एवं अमानत राशि से वसूली जाएगी।

19. अमानत राशि (SD)ठेके की अवधि समाप्ति होने पर एवं प्रबंधक प्रयोगशाला के संतोषजनक प्रमाण पत्र के छह माह पश्चात लौटा दी जाएगी।

20. L-1 निविदादाता निर्धारित करने का आधार :–

जिस निविदादाता की प्रति नमूना सुखाकर मशीन में पीसने तथा हमाम दस्ते में कुटकर (-) 100 मेश का पाउड़र बनाने की दर कम होगी वहीं कार्यादेश पाने का हकदार होगा ।

21. भुगतान प्रतिमाह तैयार किये गये नमुनों की गणना के आधार पर किया जाएगा, लेकिन नमुने कम होने पर भुगतान 500 नमुने पल्वराईजर की दर से मानकर किया जाएगा।

22. माह की समाप्ति पर ठेकेदार को दिये गये कार्य का बिल दो प्रतियों में प्रबन्धक प्रयोगशाला को भुगतान हेतु प्रस्तुत करना होगा। जिसको प्रबन्धक प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित कर कम्पनी के लेखा विभाग में 15 दिन के भीतर भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जाएगा एवं भुगतान राशि पर नियमानुसार टेक्स की कटौति की जाएगी।

23. प्राकृतिक विपदा अथवा किन्हीं अपरिहार्य कारणों से कार्य निष्पादन नहीं होने पर, ऐसी अवधि का कोई भुगतान देय नहीं होगा।

24. इस कार्य के संबंधित कर्मचारी के प्रति अनुबंधकर्ता स्वयं भविष्य निधि अधिनियम, 1952 एवं समय–समय पर संशोधित नियमों की पालना करने के लिए उत्तरदायी है, यदि नियमानुसार भविष्य निधि अधिनियम लागू है तो।

25. यदि अनुबंधकर्ता स्थानीय प्रबंधन द्वारा दिए गए निर्णय या कार्य प्रणाली से संतुष्ट नहीं होता है तो वह समूह महा प्रबंधकः एस.बी.यू. रॉकफास्फेट आर.एस.एम.एम.लि. के समक्ष अपनी अपील लिखित में प्रस्तुत कर सकता है तथा समूह महा प्रबंधक (एस.बी.यू. रॉकफास्फेट) द्वारा दिया गया निर्णय ही अंतिम माना जाएगा जो कि दोनों पक्षों को स्वीकार होगा।

26. न्याय क्षैत्र इस अनुबन्ध से संबन्धित किसी भी प्रकार का विवाद होने पर इसका क्षैत्र उदयपुर, राजस्थान होगा । विवाद के निपटारे की प्रक्रिया की समयावधि में अनुबन्धकर्ता को अपने कार्य को चालु रखना होगा।

27. पूर्ण रूप से भरे हुए निविदा प्रपत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता को अपने हस्ताक्षर करना अनिवार्य है ।

28. अनुबंध के समाप्त होने के बाद अमानत राशि का भुगतान सामान्यतः 6 माह के पश्चात् कर दिया जाएगा। अनुबंधकर्ता को कार्य पूरा करने पर, अनुबंध समाप्ति की कार्यवाही हेतु निम्नलिखित प्रमाण–पत्र स्वयं के लेटरहेड/स्टाम्प पेपर नामित अधिकारी को प्रस्तुत करने होगे।

i) रूपये 100/– अथवा स्टाम्प ड्यूटी एक्ट के तहत निर्धारित मुल्य, जो भी अधिक हो, के गैर न्यायायिक स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रारूप में ''जनरल सर्टिफिकेट ऑफ इम्डेमनीफिकेशन'' जो कि नोटेरी द्वारा सत्यापित हो।

ii) ''नो ड्यूज सर्टिफिकेट'' (अनुबंधकर्ता स्वयं के लेटरहेड पर)

iii) ''नो क्लेम सर्टिफिकेट'' (अनुबंधकर्ता स्वयं के लेटरहेड पर)

iv) लेबर डिक्लेरेशन सर्टिफिकेट (अनुबंधकर्ता स्वयं के लेटरहेड पर), जो कि इस बात का प्रमाण होगा कि निविदाकर्ता ने अनुबंध के दौरान किसी भी प्रकार का शुल्क, कर्मचारियों के वेतन भत्ते, सभी प्रकार की कटौतियां या अन्य भुगतान इत्यादि कर दिया है।

v) अनुबंधकर्ता का अनुबंध के अर्न्तगत ''अंतिम बिल''।

vi) अनुबंध के दौरान 'कार्य के संतोषप्रद रूप से पूर्ण करने का 'प्रमाण–पत्र' एवं ''नो ड्यूज सर्टिफिकेट'' जो कि कम्पनी के नामित अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो।

29. उपरोक्त समस्त प्रमाण–पत्र नामित अधिकारी को प्रस्तुत करने के बाद ही अनुबंध समाप्ति की कार्यवाही प्रारंभ करना सम्भव होगा एवं सक्षम अधिकारी द्वारा अनुबंध समाप्ति की स्वीकृति के पश्चात् ही अंतिम बिल एवं सिक्यूरिटि डिपोजिट का भुगतान किया जाएगा।

30. निविदाकर्ता जिसकी दर को स्वीकार किया जा चुका है उसे कम्पनी द्वारा कार्य प्रदान किये जाने की सूचना डाक या फैक्स द्वारा दी जाएगी एवं की संपुष्टि रजिस्टर्ड पत्र अथवा स्पीड पोस्ट से दी जाएगी। इस पत्र (जिसे के बाद में एवं संविधा की शर्तें में ''सहमति पत्र'' कहा जाएगा) में ठेके की दर (Contract Rate) का उल्लेख किया जाएगा। इस दर पर कम्पनी द्वारा ठेकेदार को संविधा में उल्लेखित कार्य के निष्पादन एवं उसके द्वारा पूर्ण रूप से निष्पादित किये गये कार्य के एवज में भुगतान किया जाएगा।

31. असफल निविदाकर्ता को कम्पनी के साथ, निविदा स्वीकृति की सूचना के 15 दिन के भीतर इण्डियन स्अेम्प एक्ट के तहत, उचित मूल्य के नॉन ज्यूडिषियल स्टेम्प पेपर पर एक इकरारनामा सम्पन्न करना होगा। नॉन ज्यूडिषियल स्टेम्प एवं इकरारनामा का समस्त व्यय ठेकेदार को वहन करना होगा।

32. प्रबंधन के पास बिना कोई कारण बताए किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

33. अतः निविदा में किसी अन्यथा शर्त का उल्लेख नहीं होने की दशा में RTPP ACT/Rule 2013 के समस्त प्रावधान लागू होंगे जो कि निविदाकर्ता को मान्य होंगे।

<u>निविदाकर्ता द्वारा घोषणा</u>

मै / हम ————————————————————यह घोषणा करते है कि हमने इस निविदा प्रपत्र की सभी शर्तो एवं कार्य को अच्छी तरह पढ एवं समझ लिया है और इसकी सभी शर्ते हमें स्वीकार्य है । इस तथ्य की पुष्ठि के लिए प्रत्येक पृष्ठ पर अपने / फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर कर दिये है ।

हस्ताक्षर निविदाकर्ता मय मोहर

Form of Bid-Security Declaration
(On Non-Judicial Stamp Paper of Rs. 50/-)

Date :
Bid No. ‘
Alternative
No. :
To:

We’ he undersigned declare that:

We understand that, according to your conditions, bids must be supported by a Bid Securing Declaration.

We accept that we ate required to pay the bid security amount specified in the Term and Condition of Bid, in the following cases, namely:-

(a) when we withdraw or modify our bid after opening of bids;

(b) when we do not execute the agreement, if any, after placement of supply/work order within the specified period;

(c) when we fail to commence the supply of the goods or service or execute work as per supply/work order within the time specified;

(d) when we do not deposit the performance security within specified period after the supply/work order is placed ;

and (e) if we breach any provision of code of integrity prescribed for bidding specified in the Act and Chapter VI of these rules.

In addition to above, the State Government shall debar us from participating in any procurement process undertaken for a period not exceeding three years in case where the entire bid security or any part thereof is required to be forfeited by procuring entity.

We understand this Bid Securing Declaration shall expire if:-

(i) we are not the successful Bidder;

(ii) the execution of agreement for procurement and performance security 1s furnished by us in case we are successful bidder;

(iii) thirty days after the expiration of our Bid.

(iv) the cancellation of the procurement process;

or (v) the withdrawal of bid prior to the deadline for presenting bids, unless the bidding documents stipulate that no such withdrawal is permitted.

Signed :---
Name :--
In the capacity of:-----------------------------

Duly authorized to Sign the bid for and on behalf of:

Dated on day of Corporate Seal

[Note: In case of a Joint Venture, the Bid Securing Declaration must be signed in name of all partners of the Joint Venture that is submitting the bid.]

Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

(To be submitted - part – I of the offer)

Any person participating in a procurement process shall –

a) Not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
b) Not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
c) Not indulge in any collusion, bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
d) Not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
f) Not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
g) Disclose conflict of interest, if any, and
h) Disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest: -

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

i) A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
   a) Have controlling partners/shareholders in common; or
   b) Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
   c) Have the same legal representative for purposes of the bid; or
   d) Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
   e) The Bidder participates in more than one bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one bid will result in the disqualification of all bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one bid; or
   f) The Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the bid; or
   g) Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.

Declaration by the Bidder regarding qualifications Declaration by the Bidder

(To be submitted - part – I of the offer)

In relation to my/our Bid submitted to ……………………………………… for procurement of …………………………………………………in response to their Notice Inviting Bids No……………… dated ……………………I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have been convicted of any criminal offence related to my/our processional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date: Signature of bidder

Place: Name:

Designation:

Address:

Grievance Redress during Procurement Process

(To be submitted - part – I of the offer)

The designation and address of the First Appellate Authority is: Mines Dept, GOR
The designation and address of the Second Appellate Authority is: Finance Dept., GOR

1) **Filing an appeal :** If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved: Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in the procurement proceedings: Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the technical bids before the opening of the financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavor to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2) or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be .

4) **Appeal not to lie in certain cases:** No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely: -
   a) Determination of need of procurement;
   b) Provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
   c) The decision of whether or not to enter into negotiations;
   d) Cancellation of a procurement process;
   e) Applicability of the provisions of confidentiality.

5) Form of Appeal
   a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed form along-with as many copies as there are respondents in the appeal;
   b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
   c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

6) Fee for filing appeal
   a) Fee for the first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
   b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or bankers' cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

7) Procedure for disposal of appeal
   a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
   b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall –
      (i) Hear all the parties to appeal present before him; and
      (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
   c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
   d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

FORM NO.1
(See rule 83)

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement, Act 2012

(To be submitted - part – I of the offer)

Appeal No……………… of ………………………
Before the ……………………………………………… (First /Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:
   (i) Name of the appellant:
   (ii) Official address, if any:
   (iii) Residential address:
2. Name and address of the respondent(s):
   (i)
   (ii)
   (iii)
3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer/authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:
4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:
5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:
6. Ground of appeal……………………………………………………………………
   ……………………………………………………………………………………………
   ……………………………………………………………………………………………
   ………………………………………………(Supported by an affidavit)
7. Prayer……………………………………………………………………………………
   ………………………………………………………………………………

Appellant's signature:

Place:

Date:

Additional Conditions of Contract

(To be submitted - part – I of the offer)

1. **Correction of arithmetical errors:** Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

i) if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail, and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;

ii) If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of sub totals, the subtotals shall prevail, and the total shall be corrected; and

iii) If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated bid does not accept the correction of errors, its bid shall be disqualified, and its Bid Security shall be forfeited, or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. **Procuring Entity's Right to Vary Quantities**

(i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit price or other terms and conditions of the bid and the conditions of contract.

(ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity in the Bidding Document due to change in circumstances, the bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the conditions of contract.

(iii) In case of procurement of goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the supplier fails to do so, Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the supplier.

3. Dividing quantities among more than one bidder at the time of award (In case of procurement of goods): As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the bidder, whose bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the bidder, whose bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the bidder, whose bid is accepted and the second lowest bidder or even more bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the bidder, whose bid is accepted.